MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

रूस पर यूक्रेन का महाप्रहार 370 सुसाइड ड्रोन्स से कांपा मॉस्को!

विषय सूची (Table of Contents):

>> मॉस्को पर यूक्रेन का महाप्रहार 370 सुसाइड ड्रोन्स से दहला रूस...

>> स्वाम ड्रोन तकनीक का हुआ इस्तेमाल...

>> इलेक्ट्रोस्टाल और नोगिंस्क में तबाही धू-धू कर जले तेल डिपो और लॉजिस्टिक्स सेंटर...

>> वाइल्डबेरीज लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स पर हमला...

>> नोगिंस्क तेल डिपो में लगी भीषण आग...

>> बौखलाए पुतिन का भीषण पलटवार यूक्रेन पर दागीं रिकॉर्ड 41 बैलिस्टिक मिसाइलें...

>> यूक्रेन की वायुसेना ने संभाला मोर्चा...

>> राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा   रूसी सेना को पुर्जे सप्लाई करने वाले गोदामों को क...

>> रूस के एयर डिफेंस सिस्टम की खुली पोल अभेद्य S-400 क्यों हुआ नाकाम?...

>> तकनीकी विफलता के मुख्य कारण...

>> ईंधन आपूर्ति और अर्थव्यवस्था पर सीधा असर काले धुएं के गुबार से मॉस्को में दहशत...

>> गहराता युद्ध का दायरा रूस के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंची यूक्रेन की मारक क्षमता...

>> निष्कर्ष...

>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब एक बेहद खतरनाक और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच चुका है। शनिवार को यूक्रेन ने रूसी राजधानी मॉस्को को निशाना बनाते हुए अब तक का सबसे बड़ा और खौफनाक ड्रोन हमला किया। इस हमले ने न सिर्फ रूसी रक्षा तंत्र को हिलाकर रख दिया है, बल्कि युद्ध की दिशा को भी पूरी तरह बदल दिया है। वैश्विक स्तर पर हो रही इस उथल-पुथल कीlatest updateऔर युद्ध के बदलते समीकरणों को समझने के लिए रक्षा विशेषज्ञ इस घटना का गहराई से विश्लेषण कर रहे हैं।

मॉस्को पर यूक्रेन का महाप्रहार: 370 सुसाइड ड्रोन्स से दहला र

यूक्रेनी सेना ने रणनीति बदलते हुए रूस की राजधानी मॉस्को और उसके आस-पास के इलाकों पर एक साथ 370 से अधिक सुसाइड ड्रोन्स से हमला बोल दिया। इस हमले के बाद मॉस्को का आसमान पूरी तरह काले धुएं से घिर गया। स्थानीय गवर्नर और मॉस्को के मेयर ने आधिकारिक तौर पर इस भीषण हवाई हमले की पुष्टि की है।

स्वाम ड्रोन तकनीक का हुआ इस्तेमाल

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यूक्रेन ने इस ऑपरेशन में स्वार्म ड्रोन (Swarm Drone) तकनीक का उपयोग किया है। इतनी बड़ी संख्या में एक साथ ड्रोन दागने का मुख्य उद्देश्य रूसी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह व्यस्त और भ्रमित करना था। इस रणनीति के कारण कई ड्रोन रूसी सुरक्षा घेरे को तोड़ने में कामयाब रहे।

इस हमले का status यह है कि इसने मॉस्को के बाहरी इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सुरक्षा एजेंसियां अब नुकसान का आकलन करने के लिए एक विस्तृत list तैयार कर रही हैं, ताकि भविष्य के खतरों से निपटा जा सके।

इलेक्ट्रोस्टाल और नोगिंस्क में तबाही: धू-धू कर जले तेल डिपो

यूक्रेनी सुसाइड ड्रोन्स ने मॉस्को शहर से करीब 50 किलोमीटर पूर्व में स्थित दो बेहद महत्वपूर्ण ठिकानों को अपना निशाना बनाया। इस हमले में इलेक्ट्रोस्टाल और नोगिंस्क क्षेत्रों में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दमकल विभाग की दर्जनों टीमों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

वाइल्डबेरीज लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स पर हमला

यूक्रेन के ड्रोन्स ने इलेक्ट्रोस्टाल में स्थित रूस के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म वाइल्डबेरीज (Wildberries) के विशाल लॉजिस्टिक्स सेंटर को निशाना बनाया। ड्रोन टकराते ही इस बड़े गोदाम में ब्लास्ट हुआ और देखते ही देखते पूरा कॉम्प्लेक्स आग के शोलों में तब्दील हो गया।

नोगिंस्क तेल डिपो में लगी भीषण आग

दूसरा सबसे बड़ा हमला नोगिंस्क में स्थित एक महत्वपूर्ण तेल डिपो पर हुआ। इस डिपो में कुल 24 ईंधन स्टोरेज टैंक मौजूद हैं, जो पूरे मॉस्को क्षेत्र की लाइफलाइन माने जाते हैं। ड्रोन्स के टकराने से तेल टैंकों में एक के बाद एक कई विस्फोट हुए, जिससे निकला काला धुआं कई घंटों तक आसमान में छाया रहा।

बौखलाए पुतिन का भीषण पलटवार: यूक्रेन पर दागीं रिकॉर्ड 41 बैल

अपनी राजधानी के करीब हुए इस बड़े हमले से भड़के रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ अब तक की सबसे क्रूर जवाबी कार्रवाई का आदेश दे दिया। यूक्रेन के विदेश मंत्री के अनुसार, रूस ने युद्ध की शुरुआत के बाद से अब तक की सबसे बड़ी संख्या में बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है।

यूक्रेन की वायुसेना ने संभाला मोर्चा

यूक्रेनी वायुसेना द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, रूस ने रात भर में यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर रिकॉर्ड 41 मिसाइलें लॉन्च कीं। हालांकि, मुस्तैद यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 18 मिसाइलों को हवा में ही सफलतापूर्वक मार गिराया, लेकिन बाकी मिसाइलों ने रिहायशी और बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचाया।

यह वैश्विक तनाव ठीक वैसा ही रूप ले रहा है जैसा कि मध्य पूर्व में देखने को मिला था, जहांईरान का इज़राइल पर भयंकर हमला: देखें युद्ध का लाइव वीडियो!जैसी घटनाओं ने पूरी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा: रूसी सेना को पुर्जे सप्लाई कर

इस भीषण हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान जारी किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन का उद्देश्य किसी नागरिक को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि रूस के सैन्य तंत्र को पंगु बनाना है।

>> सैन्य सप्लाई चेन पर चोट:जेलेंस्की ने दावा किया कि निशाना बनाए गए लॉजिस्टिक्स केंद्र रूस को ड्रोन और घातक हथियार बनाने वाले प्रतिबंधित पुर्जे मुहैया करा रहे थे।

>> जवाबी कार्रवाई का अधिकार:यूक्रेन का कहना है कि चूंकि रूस लगातार उनके शहरों और मासूम नागरिकों को निशाना बना रहा है, इसलिए वे रूस के अंदरूनी सैन्य ठिकानों को तबाह करने का पूरा हक रखते हैं।

>> भविष्य की रणनीति:यूक्रेनी सेना अब लंबी दूरी के ड्रोन्स के जरिए रूस के औद्योगिक और ऊर्जा केंद्रों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रही है।

रूस के एयर डिफेंस सिस्टम की खुली पोल: अभेद्य S-400 क्यों हुआ

इस हमले ने दुनिया के सबसे आधुनिक और अभेद्य माने जाने वाले रूसी एयर डिफेंस सिस्टम S-400 की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मॉस्को जैसे अति-सुरक्षित शहर में 370 से अधिक ड्रोन्स का दाखिल होना रूसी रक्षा विशेषज्ञों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है।

तकनीकी विफलता के मुख्य कारण

रूसी रक्षा तंत्र आमतौर पर बड़े विमानों और तेज गति वाली मिसाइलों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन एक

साथ इतनी भारी संख्या में छोटे और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले सुसाइड ड्रोन्स (Low-flying Swarm Drones) के आने से रडार सिस्टम कम्युनिकेशन ओवरलोड का शिकार हो गया। रूस सरकार ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे एक आतंकवादी कार्रवाई करार दिया है। आम जनता इस हमले से जुड़ी विस्तृत रिपोर्ट को आधिकारिक रक्षा वेबसाइट्स सेPDFफॉर्मेट में डाउनलोड कर देख सकती है।

ईंधन आपूर्ति और अर्थव्यवस्था पर सीधा असर: काले धुएं के गुबार

नोगस्लिक तेल डिपो और वाइल्डबेरीज गोदाम पर हुए हमलों ने रूस की पहले से ही दबाव झेल रही अर्थव्यवस्था और घरेलू सप्लाई चेन को करारा झटका दिया है। स्थानीय गवर्नर के अनुसार, इस तबाही के कारण आने वाले दिनों में ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उछाल आ सकता है।

मॉस्को के कई इलाकों में फैले जहरीले काले धुएं के कारण वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी दहशत है। यह आर्थिक और व्यापारिक संकट वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित कर रहा है, ठीक वैसी ही स्थिति जैसे तब उत्पन्न हुई थी जब अदन की खाड़ी में समुद्री लुटेरों ने किया बड़ा हमला तेल टैंकर यूरेका कहाँ ले गया?जैसी घटनाओं ने वैश्विक व्यापारिक जहाजों के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था।

गहराता युद्ध का दायरा: रूस के अंदरूनी हिस्सों तक पहुंची यूक्

वर्ष2026में प्रवेश कर चुके इस युद्ध को अब 3 साल से अधिक का समय हो चुका है। शुरुआती दिनों में यह युद्ध केवल यूक्रेन की सीमाओं तक ही सीमित था, लेकिन अब दोनों पक्ष एक-दूसरे के मुख्य भूभाग की गहराई में जाकर विनाशकारी हमले कर रहे हैं। यूक्रेन ने खुद की लंबी दूरी की मारक क्षमता और आधुनिक तकनीक विकसित कर ली है।

इस युद्ध में जहां यूक्रेन को अमेरिका और यूरोपीय देशों से लगातार घातक हथियारों की मदद मिल रही है, वहीं रूस को चीन, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देशों का खुलकर समर्थन प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भले ही शांति वार्ता की वकालत कर रहा हो, लेकिन दोनों पक्षों के तेवर देखकर लगता नहीं कि कोई भी झुकने को तैयार है। भारत में भी इस युद्ध के वैश्विक असर पर पैनी नजर रखी जा रही है, जबकि घरेलू राजनीति में फैंटा पीते रहो यूपी में महुआ का CM योगी पर तीखा हमला, स्वामी विवेकानंद को लेकर कही ये बात!जैसे बयान राजनीतिक गलियारों में सुर्खियां बटोर रहे हैं।

निष्कर्ष

मॉस्को पर हुआ यह भीषण ड्रोन हमला और उसके बाद रूस का रिकॉर्ड मिसाइल पलटवार यह साफ दर्शाता है कि यह युद्ध अब किसी समझौते की ओर नहीं बल्कि और अधिक विनाश की ओर बढ़ रहा है। इस हवाई हमले ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में अब कोई भी शहर या देश पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। यदि समय रहते दोनों देशों के बीच कोई

ठोस कूटनीतिक बातचीत शुरू नहीं हुई, तो आने वाले समय में इसके और अधिक घातक परिणाम वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा को भुगतने पड़ेंगे। आम नागरिक इस युद्ध के ताजा घटनाक्रम की स्थिति को ऑनलाइन माध्यमों से लगातारcheckकर सकते हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

मॉस्को के मेयर के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने इस क्षेत्र को निशाना बनाते हुए एक साथ 370 से अधिक सुसाइड ड्रोन्स दागे थे।

इस हमले में इलेक्ट्रोस्टाल स्थित वाइल्डबेरीज के बड़े लॉजिस्टिक्स कॉम्प्लेक्स और नोगिंस्क में स्थित एक महत्वपूर्ण तेल डिपो (जिसमें 24 स्टोरेज टैंक हैं) को भारी नुकसान पहुंचा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन के आदेश पर रूस ने रात भर में यूक्रेन पर अब तक की सबसे बड़ी संख्या में यानी रिकॉर्ड 41 बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर भीषण पलटवार किया।

यूक्रेन की वायुसेना ने मुस्तैदी दिखाते हुए रूस द्वारा दागी गईं 41 मिसाइलों में से 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा है कि ये लॉजिस्टिक्स केंद्र और गोदाम असल में रूसी सेना को ड्रोन व अन्य हथियार बनाने के लिए प्रतिबंधित पुर्जे और आवश्यक सामग्रियां सप्लाई कर रहे थे।

क्षेत्रीय गवर्नर के अनुसार, नोगिंस्क तेल डिपो पर हमले के कारण स्थानीय ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ सकता है और कीमतें बढ़ सकती हैं, हालांकि तुरंत किसी बड़े खतरे से इनकार किया गया है।

एक साथ 370 से अधिक कम ऊंचाई पर उड़ने वाले सुसाइड ड्रोन्स के स्वाम अटैक के कारण रूसी रडार सिस्टम ओवरलोड हो गया, जिससे कुछ ड्रोन सुरक्षा घेरा तोड़कर लक्ष्य तक पहुंच गए।

वर्तमान वर्ष 2026 के अनुसार, इस विनाशकारी रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए 3 साल से अधिक का समय बीत चुका है।

यूक्रेन को अमेरिका और नाटो (यूरोपीय देशों) से हथियारों की मदद मिल रही है, जबकि रूस को चीन, ईरान और उत्तर कोरिया जैसे देशों का रणनीतिक व सैन्य सहयोग प्राप्त है।